>

Title: Need to repair roads in Himachal Pradesh .

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला) : महोदय, देश में ग्रामीण क्षेत्रों को सड़कों के साथ जोड़ा जाए, यह एक बेहतर योजना है। आज देश में पीएमजीएसवाई, नाबार्ड, वर्ल्ड बैंक व अन्य स्रोतों से सड़कों का जाल बिछ रहा है। हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है। वहाँ सड़कों का बनाना कठिन तो है है, उस पर खर्चा भी ज़्यादा होता है। हिमाचल प्रदेश में कुछ सड़कों का निर्माण इंटरनेशनल बिडिंग के माध्यम से किया जा रहा है जिन पर प्रदेश सरकार का कोई कंट्रोल नहीं है। इसी प्रकार की एक सड़क मेरे शिमला लोक सभा क्षेत्र में ठियोग से रोहडू के लिए बन रही है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निविदा हुई थी। 2008-09 में इसका काम एक चीनी कंपनी ने लिया था। तीन वर्ष में उसे पूरा करने की अवधि थी, परंतु खेद का विषय है कि उक्त कंपनी द्वारा लगभग 60-65 किलोमीटर सड़क के प्रथम चरण में इतनी तोड़-फोड़ कर दी कि उस पर गाड़ियाँ तो दूर, पैदल चलना भी कठिन हो गया है। ...(व्यवधान) सर पूरा तो कहने दें। यह क्षेत्र हमारे सेब उत्पादकों के बागीचों को जोड़ता है। जैसे आपको मालूम है कि हिमाचल प्रदेश 'सेब राज्य' के नाम से प्रसिद्ध है...(व्यवधान) मेरा आग्रह है कि उक्त सड़क को तुरन्त ठीक किया जाए ताकि आम आदमी की परेशानियों को दूर किया जा सके। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. Please allow him to speak.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. CHAIRMAN: Shri Naik can speak now.